पाठ 32

1. जब परमेश्वर ने फिरौन और उसकी सेना को लाल समुद्र में नाश किया, तब परमेश्वर इस्राएलियों को कहां ले गया?

-रेगिस्तान में।

2. रेगिस्तान क्या है?

-रेगिस्तान एक ऐसी भूमि है जहाँ केवल रेत होती है।

3. जब परमेश्वर इस्राएलियों को जंगल में ले जा रहा था, तब इस्राएलियों ने क्या किया?

-इस्राएलियों ने मूसा और हारून की आलोचना की।

4. इस्राएलियों ने मूसा और हारून की आलोचना क्यों की?

-क्योंकि उनके पास खाना नहीं था।

5. इस्राएलियों के पास भोजन क्यों नहीं था?

-क्योंकि रेगिस्तान में खाना नहीं था।

6. क्या मूसा इस्राएलियों के लिए जंगल में भोजन ढूंढ़ सका?

-नहीं।

7. क्या इस्राएली मरुभूमि में अपने लिए भोजन ढूंढ़ पाए थे?

-नहीं।

8. केवल वही कौन था जो इस्राएलियों को जंगल में भोजन देने में सक्षम था?

-परमेश्वर।

9. परमेश्वर लोगों की मदद क्यों करता है जबकि वे उस पर विश्वास नहीं करते हैं?

-क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को बनाया है।

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों से प्यार करता है।

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों को बचाना चाहता है।

-क्योंकि परमेश्वर चाहता है कि सभी लोग उस पर विश्वास करें।

10. अगर हम परमेश्वर में विश्वास नहीं करते हैं, तो क्या परमेश्वर हमें बचाएंगे?

-नहीं।

11. वह कौन सा मांस था जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को एक शाम जंगल में दिया था?

-बटेर।

12. इस्राएली उस रोटी को क्या कहते थे जिसे परमेश्वर ने हर सुबह स्वर्ग से नीचे भेजा था?

-मन्ना।

13. परमेश्वर ने मूसा से पानी लाने के लिए क्या करने को कहा?

-परमेश्वर ने मूसा को अपने कर्मचारियों के साथ एक चट्टान पर प्रहार करने की आज्ञा दी।

14. कौन अकेला हमें पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचा सकता है?

-केवल परमेश्वर।

15. क्या परमेश्वर ने इस्राएलियों को उनके निर्णय के अनुसार बचाया था?

-नहीं।

16. परमेश्वर ने इस्राएलियों को कैसे बचाया?

-जिस तरह से परमेश्वर ने फैसला किया है।

17. परमेश्वर सभी लोगों को कैसे बचाता है?

-जिस तरह से परमेश्वर तय करते हैं।

-मूसा और इस्राएली कहाँ हैं?

-वे रेगिस्तान में हैं।

-परमेश्वर ने इस्राएलियों को रेगिस्तान में ले जाना जारी रखा।

आइए पढ़ें निर्गमन 19:1

1-इस्राएलियों के मिस्र से निकलने के तीसरे महीने के ठीक उसी दिन वे सीनै के जंगल में आए।

-किसने तय किया कि इस्राएली कहाँ जाएंगे?

-परमेश्वर।

-परमेश्वर ने यह क्यों तय किया कि इस्राएली कहाँ जाएंगे?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले जाने का सबसे अच्छा तरीका जानते थे।

-जैसे परमेश्वर इस्राएलियों के जाने का सबसे अच्छा मार्ग जानता था, वैसे ही परमेश्वर भी सभी लोगों के जाने का सर्वोत्तम मार्ग जानता है।

-अगला, परमेश्वर इस्राएलियों को कहाँ ले गया?

आइए पढ़ें निर्गमन 19:2

2 और रपीदीम से कूच करके वे सीनै के जंगल में गए, और इस्राएलियोंने वहां पहाड़ के साम्हने जंगल में डेरे खड़े किए।

-परमेश्वर इस्राएलियों को सीनै पर्वत पर ले गया।

-क्या आपको सिनाई पर्वत याद है?

-सीनै पर्वत वह पर्वत था जहां परमेश्वर ने जलती हुई झाड़ी से मूसा से बात की थी।

-जब उसने मूसा से जलती हुई झाड़ी से बात की तो परमेश्वर ने क्या वादा किया?

-परमेश्वर ने वादा किया कि वह मूसा को सिनाई पर्वत पर वापस लाएगा।

-क्या परमेश्वर ने मूसा को सीनै पर्वत पर वापस लाने के अपने वादे को पूरा किया?

-हां।

-भले ही फिरौन मूसा को मारना चाहता था, परमेश्वर ने मूसा की रक्षा की, और उसे वापस सीनै पर्वत पर ले आया।

-हम परमेश्वर के सभी वादों पर विश्वास कर सकते हैं क्योंकि परमेश्वर हमेशा अपने सभी वादों को पूरा करता है।

-जब मूसा और इस्राएली सीनै पर्वत पर पहुंचे, तो परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर बुलाया।

-परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर क्यों बुलाया?

-परमेश्वर मूसा से बात करना चाहता था।

आइए पढ़ें निर्गमन 19:3-5क

3-तब मूसा परमेश्वर के पास गया, और यहोवा ने उसे पहाड़ पर से बुलाकर कहा, याकूब के घराने से जो कुछ कहना, और जो तू इस्त्राएलियोंसे कहना चाहता है, वह यह है:

4 जो कुछ मैं ने मिस्र से किया, और जो कुछ मैं ने उकाबों के पंखों पर चढ़ाकर तुम्हें अपने पास ले आया, वह तुम ने आप ही देखा है।

5 अब यदि तुम मेरी पूरी आज्ञा मानोगे और मेरी वाचा को मानोगे, तो सब जातियों में से तुम मेरी निज निज धन ठहरोगे। यद्यपि सारी पृथ्वी मेरी है, तौभी तू मेरे लिथे याजकोंका राज्य और पवित्र जाति ठहरेगा। इस्त्राएलियोंसे यही वचन कहना।"

-पहाड़ की चोटी पर परमेश्वर ने मूसा से क्या कहा?

-परमेश्वर इस्राएलियों के साथ एक वाचा करना चाहता था।

-परमेश्वर इस्राएलियों के साथ क्या समझौता करना चाहता था?

-परमेश्वर ने कहा कि अगर इस्राएली उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करते हैं, तो वह उन्हें आशीर्वाद देगा।

-यदि इस्राएली उसकी सभी आज्ञाओं का पालन नहीं करते, तो परमेश्वर क्या करता?

-परमेश्वर उन्हें सजा देंगे।

-मूसा पहाड़ से नीचे उतरकर इस्राएलियों को परमेश्वर ने जो कुछ कहा था, वह सुनाया।

-तब इस्राएलियों ने परमेश्वर से क्या कहा?

आइए पढ़ें निर्गमन 19:7-8

7 तब मूसा ने लौटकर प्रजा के पुरनियोंको बुलवाकर उन सब बातोंको जो यहोवा ने उसको कहने की आज्ञा दी या, सब उनके साम्हने रख दी।

8- सब लोगों ने एक साथ उत्तर दिया, कि जो कुछ यहोवा ने कहा है हम वही करेंगे। तब मूसा ने उनका उत्तर यहोवा के पास लौटा दिया।

- तब इस्राएलियों ने परमेश्वर से क्या कहा?

-इस्राएलियों ने परमेश्वर से कहा कि वे उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करेंगे।

-क्या इस्राएलियों को हर समय याद था कि उन्होंने अतीत में परमेश्वर की अवज्ञा की थी?

-नहीं।

-जब फिरौन और उसकी सेना उनका पीछा कर रही थी तब इस्राएली भूल रहे थे कि उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि लाल समुद्र पर परमेश्वर उन्हें बचाने में सक्षम है।

-इस्राएली भूल रहे थे कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि ईश्वर उन्हें रेगिस्तान में भोजन और पानी दे सकता है।

-क्या इस्राएलियों ने सोचा था कि वे परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम हैं?

-हां।

-इस्राएलियों ने क्यों सोचा कि वे परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम हैं?

-क्योंकि वे अभिमानी और अभिमानी थे।

-क्या इस्राएली परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम थे?

-नहीं।

-इस्राएली परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन क्यों नहीं कर पाए?

-क्योंकि वे आदम और हव्वा के बच्चे पैदा हुए थे।

-क्योंकि वे जन्म से ही पाप के दास थे।

-क्योंकि वे पैदाइशी शैतान के गुलाम थे।

-सभी लोग आदम और हव्वा की संतान हैं।

-सभी लोग जन्म से ही पाप के गुलाम होते हैं।

-सभी लोग जन्म से ही शैतान के गुलाम होते हैं।

-क्या परमेश्वर को पता था कि इस्राएली उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं थे?

-हां।

-यदि परमेश्वर जानता था कि इस्राएली उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं हैं, तो परमेश्वर इस्राएलियों के साथ एक वाचा क्यों करना चाहता था?

-क्या आप किसी के साथ समझौता करेंगे यदि आप जानते हैं कि वह समझौते को रखने में सक्षम नहीं है?

-नहीं।

-यदि परमेश्वर जानता था कि इस्राएली उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं हैं, तो परमेश्वर इस्राएलियों के साथ एक वाचा क्यों करना चाहता था?

-परमेश्वर इस्राएलियों के साथ एक वाचा करना चाहता था क्योंकि वह इस्राएलियों को शिक्षा देना चाहता था।

- परमेश्वर इस्राएलियों को क्या सिखाना चाहता था?

-परमेश्वर इस्राएलियों को यह सिखाना चाहता था कि वे कभी भी उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं थे।

-यदि इस्राएलियों ने बहुत कठिन प्रयास किया, तो भी वे परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं थे।

-परमेश्वर इस्राएलियों को सिखाना चाहता था कि वे कभी भी उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं थे क्योंकि वे पाप में पैदा हुए थे।

-परमेश्वर इस्राएलियों को यह सिखाना चाहता था कि क्योंकि वे कभी भी उसकी सभी आज्ञाओं का पालन करने में सक्षम नहीं थे, केवल परमेश्वर ही उन्हें अनन्त मृत्यु से बचाने में सक्षम था।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया था, उनके सभी बच्चे पाप में पैदा हुए थे।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया था, उनके सभी बच्चे अपने दिलों में पाप के साथ पैदा हुए थे।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने शैतान की बात सुनी, उनके सभी बच्चे पाप, मृत्यु और शैतान की संतान बन गए।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने शैतान की बात सुनी, उनके सभी बच्चे पाप, मृत्यु और शैतान के दास बन गए।

-परमेश्वर इस्राएलियों को उनका पाप दिखाना चाहता था।

-परमेश्वर इस्राएलियों को उनकी बुराई दिखाना चाहता था।

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि वे पाप के दास थे।

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहते थे कि वे बुराई के दास थे।

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि वे शैतान के दास हैं।

- परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि यदि वे उन्हें बचाने के लिए परमेश्वर की दोहाई न दें, तो उनका पाप उन्हें नष्ट कर देगा।

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि यदि वे उन्हें बचाने के लिए परमेश्वर से दोहाई न दें, तो शैतान उन्हें नष्ट कर देगा।

-केवल परमेश्वर ही हमें पाप की शक्ति से बचा सकते हैं।

-केवल परमेश्वर ही हमें मृत्यु की शक्ति से बचा सकते हैं।

-केवल परमेश्वर ही हमें शैतान की शक्ति से बचा सकते हैं।

- यहाँ वह वाचा है जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ की थी:

-यदि इस्राएली उसकी सब आज्ञाओं का पालन करते, तो परमेश्वर उन्हें आशीष देता।

-यदि इस्राएली उसकी सब आज्ञाओं का पालन नहीं करते, तो परमेश्वर उन्हें दण्ड देता।

-जब मूसा ने परमेश्वर से कहा कि इस्राएलियों ने कहा कि वे परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन करेंगे, परमेश्वर ने क्या कहा?

आइए पढ़ें निर्गमन 19:9क और 10-11

9 यहोवा ने मूसा से कहा, मैं घोर बादल में तेरे पास आने पर हूं, कि लोग मुझे तुझ से बातें करते हुए सुनें, और सदा तुझ पर भरोसा रखें।

10-तब यहोवा ने मूसा से कहा, “लोगों के पास जाकर आज और कल उन्हें पवित्र करना। क्या उन्होंने अपने कपड़े धोए हैं

11 और तीसरे दिन तक तैयार रहना, क्योंकि उस दिन यहोवा सब लोगोंके साम्हने सीनै पर्वत पर उतरेगा।”

-परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह सीनै पर्वत पर उतरेगा, और इस्राएलियों को स्वयं को तैयार करना था।

-परमेश्वर सिनाई पर्वत पर क्यों उतर रहे थे?

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि वह पवित्र है।

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि वह सभी पापों से घृणा करता है।

-परमेश्वर इस्राएलियों को दिखाना चाहता था कि वह सभी पापों को मौत की सजा देता है।

-परमेश्वर ने मूसा को सिनाई पर्वत के चारों ओर एक सीमा लगाने के लिए भी कहा।

आइए पढ़ें निर्गमन 19:12-13

12-यहोवा ने कहा, “पहाड़ के चारों ओर के लोगों के लिथे सीमा लगा दो और उन से कहो, ‘सावधान रहना, कि तुम पहाड़ पर न चढ़ो, और न उसका पांव छूओ। जो कोई पहाड़ को छूए वह निश्चय मार डाला जाए।

13-वह निश्चय पथराव किया जाएगा या तीरों से मारा जाएगा; उस पर हाथ न रखा जाए। चाहे वह मनुष्य हो या पशु, उसे जीवित रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।' केवल जब राम का सींग एक लंबा विस्फोट करता है, तो वे पहाड़ पर जा सकते हैं।"

-परमेश्वर क्यों चाहता था कि मूसा सिनाई पर्वत के चारों ओर एक सीमा लगाए?

-क्योंकि परमेश्वर नहीं चाहते थे कि कोई भी सिनाई पर्वत को छूए।

-परमेश्वर क्यों नहीं चाहते थे कि कोई भी सिनाई पर्वत को छूए?

-क्योंकि परमेश्वर सीनै पर्वत पर उतर रहे थे।

-क्या होगा यदि इस्राएली सिनाई पर्वत को छू लेंगे?

-वे मर जाएंगे।

-यदि इस्राएली सीनै पर्वत को छूते हैं तो वे क्यों मरेंगे?

-क्योंकि परमेश्वर पहाड़ पर उतर रहे थे।

-क्योंकि परमेश्वर पवित्र हैं।

-क्योंकि परमेश्वर सभी पापों से घृणा करता है।

-क्योंकि परमेश्वर सभी पापों को मौत के घाट उतार देते हैं।

-तीसरे दिन की सुबह परमेश्वर सिनाई पर्वत पर उतरे।

आइए पढ़ें निर्गमन 19:16-18

16 तीसरे दिन की भोर को गरज और बिजली गिरी, और पहाड़ पर घोर बादल छा गया, और तुरही का बड़ा झोंका आया। शिविर में सभी कांप रहे थे।

17 तब मूसा लोगोंको परमेश्वर से भेंट करने को छावनी से बाहर ले गया, और वे पहाड़ की तलहटी पर खड़े हो गए।

18-सीनै पर्वत धुएँ से ढँका हुआ था, क्योंकि यहोवा उस पर आग में उतरा था। उस में से धुआँ ऐसा उठा, मानो भट्टी का धुआँ उठे, और सारा पहाड़ थरथरा उठा।

-परमेश्वर सिनाई पर्वत पर उतरे।

-गड़गड़ाहट ने पहाड़ के पास आसमान को हिला दिया।

-पहाड़ के चारों ओर बिजली भर गई।

-घने धुएं ने पहाड़ को पूरी तरह से ढक लिया।

-बहुत तेज तुरही की आवाज सुनाई दी।

-पूरा पहाड़ हिंसक रूप से हिल गया।

-और परमेश्वर आग में पहाड़ पर उतर आए।

-क्या इस्राएली डरते थे?

-वे बहुत डरे हुए थे।

-गड़गड़ाहट, बिजली, धुआं और आग के संकेत क्या थे?

-वह परमेश्वर पवित्र है।

-कि परमेश्वर सभी पापों से नफरत करता है।

-कि परमेश्वर सभी पापों को मौत के घाट उतार देता है।

-नूह के समय में, परमेश्वर ने लोगों के पापों को मौत के घाट उतार दिया।

-सदोम और अमोरा के समय में, परमेश्वर ने लोगों के पापों को मौत के घाट उतार दिया।

-फिरौन के समय में, परमेश्वर ने लोगों के पापों को मौत के घाट उतार दिया।

-परमेश्वर सभी पापों को मौत के घाट उतार देते हैं।

-परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर उतरकर मूसा को पर्वत पर बुलाया।

आइए पढ़ें निर्गमन 19:20-25

20-यहोवा सीनै पर्वत की चोटी पर उतरा, और मूसा को पहाड़ की चोटी पर बुलाया। सो मूसा ऊपर गया

21-तब यहोवा ने उस से कहा, जा, और लोगोंको चेतावनी दे, कि वे यहोवा के दर्शन करने के लिथे विवश होकर न चले जाएं, और उन में से बहुतेरे नाश हो जाएं।

22-और जो याजक यहोवा के पास जाएं, वे भी अपने को पवित्र करें, नहीं तो यहोवा उन पर चढ़ाई करेगा।

23-मूसा ने यहोवा से कहा, लोग सीनै पर्वत पर चढ़ नहीं सकते, क्योंकि तू ने हम को आप ही चिताया है, कि पहाड़ के चारोंओर सीमा लगा दे, और उसे पवित्र ठहरा दे।

24- यहोवा ने उत्तर दिया, "नीचे जाकर हारून को अपने साथ ले आओ। परन्तु याजकों और प्रजा के लोग यहोवा के पास आने को विवश न करें, नहीं तो वह उन पर चढ़ाई करेगा।"

25-तब मूसा ने लोगों के पास जाकर उन्हें बताया।

-परमेश्वर ने मूसा से कहा कि अगर वे पहाड़ को छूते हैं तो इस्राएली मर जाएंगे।

-परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर क्यों आने दिया?

-क्या मूसा भी आदम और हव्वा की संतान नहीं था?

-हां।

-क्या मूसा भी पाप में पैदा नहीं हुआ था?

-हां।

-परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर क्यों आने दिया?

-क्योंकि मूसा ईश्वर में विश्वास करता था।

-क्योंकि मूसा परमेश्वर के मार्ग में परमेश्वर के पास आया था।

-क्योंकि मूसा परमेश्वर के पास वैसे ही आया जैसा परमेश्वर ने दिखाया।

-परमेश्वर ने मूसा को अपना दूत चुना।

-परमेश्वर ने मूसा को इस्राएलियों को अपना संदेश देने के लिए चुना।

-अगर इसराएलियों ने मूसा की बात मानने से इनकार कर दिया, तो वे भी परमेश्वर की बात मानने से इनकार कर रहे थे।

-परमेश्वर की किताब, बाइबिल, सभी लोगों के लिए परमेश्वर का संदेश है।

-अगर हम उसकी बाइबिल में परमेश्वर के संदेश को सुनने से इनकार करते हैं, तो हम भी परमेश्वर को सुनने से इनकार कर रहे हैं।

-अगर हम परमेश्वर की बात मानने से इनकार करते हैं, तो परमेश्वर हमें हमेशा के लिए सजा देंगे.

-अगले पाठ में, हम उन आज्ञाओं के बारे में जानेंगे जो परमेश्वर ने इस्राएलियों और सभी लोगों को दी थीं।